नूरे हिदायत फाउण्डेशन

इमामबाड़ा ग़ुफ़रानमआब, चौक लखनऊ

जनाब ....साहब सलामुन अलैइकुम

मिज़ाजे आली!

नूरे हिदायत फाउण्डेशन ने एक बहुत बड़े इल्मी (ज्ञान के) काम का बेड़ा उठाया है यानी पहले के शिया आलिमों, अदीबों, शायरों की छपी और ग़ैर छपी किताबों की हिफ़ाज़त और उनमें से अहम और ज़रूरी किताबों की छपाई। इस वक़्त दसियों हज़ार किताबों की फिलमिंग का काम है जिससे छपी और बेछिपी किताबों को सी०डी० पर महफ़ूज़ करके उनका प्रिंट निकाल कर किताब की सूरत में महफ़ूज़ किया जायेगा। इमामबाड़ा गुफ़रानमआब की लाइब्रेरी का काम पूरा होने के बाद हिन्दुस्तान की दूसरी बड़ी और छोटी लाइब्रेरियों में जाकर यही काम अन्जाम दिया जायेगा। साथ ही एक बड़ी लाइब्रेरी का क़ायम करना (स्थापना) भी इदारे की नज़र में है। इसलिए अगर आपके पास कोई छपी या हाथ की लिखी दीनी किताब, मरसिया या मरसियों की किताब, नौहे या क़सीदों की बयाज़ आदि हो तो हमें लाइब्रेरी के लिए देने का कष्ट करें। इसी तरह अज़ा के दिनों में इमाम हुसैन[अ०] और उनके साथियों के कारनामों से जुड़ी हिन्दी, उर्दू और अंग्रेज़ी में किताबों और किताबचों को छाप कर शियों में और ख़ास तौर पर दूसरे मज़हब के लोगों में हर साल बांटना है। शुरुआत में कम से कम पचास किताबचे और पाँच किताबें और हर किताब व किताबचा कम से कम दो हज़ार और ज़्यादा से ज़्यादा पाँच हज़ार छापना है मगर इस काम के लिए एक बड़े धन की ज़रूरत है। इसलिए आपसे गुज़ारिश है कि अपने मरहूम वालदैन और दूसरे रिश्तेदारों के लिए उनके नाम से कोई न कोई इदारे की चुनी हुई किताब या किताबचा या मासिक 'शुआ-ए-अमल' का कोई अंक छपवाएं और ज़रूरतभर लेकर अपने इलाक़े में बांटे बाक़ी के लिए आप इदारे को इजाज़त दें कि वह दूसरे शहरों, क़सबों और देहातों में मुफ़्त बांटने के लिए भेज दें।

इदारे को मराजेए केराम ख़ासकर आक़ाए सीस्तानी मद्दज़िल्लहू और दफ़्तरे रहबरे मुअज़्ज़म आयतुल्लाहिल उज़्मा सै० अली ख़ामेना-ई मद्दज़िल्लहू से हर साल दस लाख रुपये सहमे इमाम[अ०] (खुम्स) लेने की इजाज़त हासिल है। इसलिए गुज़ारिश है कि खुम्स या दूसरी शरअी रक़में जैसे सदक़ा, फितरा, क़ुर्बानी की खालों के पैसे या इमाम ज़ामिन वग़ैरा फाउण्डेशन को मनीआर्डर या ड्राफ़्ट की सूरत में Noorehidayat Foundation, Lucknow के नाम भेजें ताकि यह अहम काम ज़्यादा से ज़्यादा और जल्दी से जल्दी पूरा हो सके।

आपके दीनी और समाजी जज़्बे से बड़ी उम्मीद है कि आप हमें निराश न करेंगे।

मुस्तफ़ा हुसैन नक़वी 'असीफ़' जाएसी

सचिव

नूरे हिदायत फाउण्डेशन, लखनऊ

फोनः 0522-2252230

मोबाइलः 09335276180